RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

बौद्ध धर्म

Part -2



LIVE 15-05-2024 4PM

He gave the last sermon - in Kushinagar (to Subhadra).

- सर्वाधिक उपदेश पालि भाषा में
  Most sermons in Pali language
- सर्वाधिक वर्षावास बिताए – श्रावस्ती में।
  Spent maximum rain - in Sravasti.
- अंतिम वर्षावास – कुशीनगर (वैशाली के बिंदौलिया गाँव में)
  Last Varshawas - Kushinagar

शिक्षाएँ –Teachings → आर्य सत्य – 4

1. दुःख है **Grief**
2. दुःख का कारण है **cause of sorrow**
3. दुःख का निराकरण है **Sorrow is the solution**
4. दुःख का निवारण अष्टांगिक मार्ग से किया जाता है।

→ सर्वाधिक उपदेश → भाषा

→ सर्वाधिक वर्षावास → ✓

→ अंतिम वर्षावास ✓

⇒ ५ शिक्षाएँ → ५ आर्य सत्य

Redressal of sorrow is done through the eightfold path.

आष्टांगिक मार्ग – 8 octagonal route

1. सम्यक दृष्टि (4 आर्य सत्य में विश्वास)
   Right View (belief in the 4 Noble Truths)
2. सम्यक संकल्प Right Resolution
3. सम्यक वाणी Right Speech
4. सम्यक कर्म Right action
5. सम्यक आजीविका Right Livelihood
6. सम्यक व्यायाम Right Exercise
7. सम्यक स्मृति Right Memory

सही

8. सम्यक समाधि Right Samadhi

प्रतीक चिह्न : Symbol

- जन्म : कमल + सांड Birth: Kamal + bull
  - यौवन का प्रतीक
- गृह त्याग : घोड़ा Home abandonment: horse
- गर्भ : हाथी womb: elephant
- ज्ञान : पीपल Knowledge: People
- मृत्यु : पद चिह्न Death: Footprint
  - मोक्ष, निर्वाण
- बौद्ध धर्म में शील – 10 Modesty in Buddhism – 10

जन्म ⇒ कमल

मृत्यु ⇒ पदचिन्ह

ग्रह त्याग ⇒ घोड़ा

गर्भ ⇒ हाथी

ज्ञान ⇒ पीपल

सांड

मोक्ष, निर्वाण

बौद्ध साहित्य Buddhist literature

- बौद्ध साहित्य को त्रिपिटक में बताया गया हैं

  Buddhist literature is mentioned in Tripitaka

1. विनय पिटक : उपालि शिष्य – बौद्ध संघ के नियम

   Rules of the Buddhist Sangha

   Vinaya Pitaka: Upali Disciple

2. सुत्त पिटक : आनंद शिष्य – गौतम बुद्ध के उपदेश

   Teachings of Gautam Buddha

   Sutta Pitaka: Ananda Disciple

3. अभिधम्म पिटक : मोगली शिष्य

   Abhidhamma Pitaka: Disciples of Mowgli

- सुत्त पिटक – गाय – (अन्नदा, वन्नदा, सुखदा)

Sutta Pitaka - Cow - (Annada, Vannada, Sukhada)

Encyclopedia of Bodhdha Dharma.

- सुत्त पिटक 5 भागों में विभाजित है–

The Sutta Pitaka is divided into 5 parts-

1. खुंदक निकाय – (जातक कथाए – संख्या : 549) –बुद्ध के जन्म से पूर्व

Khundak Nikaya - (Jataka tales - Number: 549) - before the birth of Buddha

2. अंगुत्तर निकाय – 16 महाजनपद

Anguttar Nikaya - 16 Mahajanapadas

3. दीघ निकाय Deegh body
4. मंझिम निकाय Manjhim body
5. संयुक्त निकाय sanykut body

त्रिरत्न : बौद्ध, धम्म, संघ

त्रिरत्न → बौद्ध
→ धम्म
→ संघ

आष्टांगिक मार्ग → 8
शील → 10
त्रिपिटक
त्रिरत्न

सुत्त पिटक → भाग ? → 5

जातक कथाएं
↳ संख्या → 547
↳ निकाय ?

Three Jewels: Buddhism, Dhamma, Sangha

ज्ञान शिक्षा

बौद्ध संगीति Buddhist council

	स्थान place	शासनकाल reign	अध्यक्ष president
1. 483 BC	राजगृह Rajgriha	अजातशत्रु Ajatashatru	महाकश्यप Mahakashyap
2. 383 BC	वैशाली Vaishali	कालाशोक Kalashok	साबकमीर Sabakmir
3. 255 BC	पाटलिपुत्र Pataliputra	अशोक Ashok	मोगली पुत्र / मौग्गलिपुत्तिस्स Mowgli Putra
4. पहली शताब्दी	कुण्डलवन	कनिष्क	वसुमित्र (उपाध्यक्ष—अश्वघोष)